2. हमारे पड़ोसी

अच्छे पड़ोसी भाग्य से ही मिलते हैं। हमारे पड़ोसी हर सुख-दुख में सदा हमारे साथ रहते हैं। हमारे दुख की घड़ी में हमारे मित्र, रिश्तेदार तथा अन्य संबंधी बाद में आते हैं, अच्छे पड़ोसी पहले आ जाते हैं। वे हमारे दुखों में दुखी होते हैं तथा हमारी खुशी में खुश होते हैं। वे हमारे साथ रोते हैं व हँसते हैं। इस प्रकार हम एक ही परिवार के सदस्य लगते हैं। पड़ोसी अच्छे होने पर, हमारी अपनुपस्थिति में भी हमारा घर सुरक्षित रहता है। आकस्मिक दुर्घटना के समय हम स्वयं को अकेला महसूस नहीं करते क्योंकि वे हमारे साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर खड़े रहते हैं। वास्तव में अच्छे पड़ोसी हमारे अपने होते है और हम उनके।